[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No..

Sr. No. of Question Paper: 9244

Unique Paper Code

12131401

Name of the Paper

Indian Epigraphy, Paleography and

Chronology

भारतीय अभिलेखशास्त्र, पुरालिपिशास्त्र एवं

काल-गणना

Name of the Course

B.A. (Hons.) Sanskrit, Core

Semester

: IV

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 75

# Instructions for Candidates

- 1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- 2. This question paper contains 10 questions.
- 3. All questions should be answered.
- 4. Answers may be written either in Sanskrit or in Hindi in English; but the same medium should be used throughout the paper.

# छात्रों के लिए निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
- 2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 10 प्रश्न हैं।
- 3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- 4. इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत, हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

  P.T.O.

# भाग 'क' / Part 'A'

अभिलेखों के अध्ययन का क्या महत्त्व है ? (9)

What is the importance of the study of inscriptions?

#### अथवा / Or

अभिलेखों के विभिन्न प्रकार कौन-कौन से हैं?

What are the various kinds of Inscriptions?

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (5+5=10)

Write notes on any two of the following:

लिपिकर. कायस्थ, कर्णिन्, उत्कीर्णक।

## भाग 'रव' / Part 'B'

ब्राहामी-लिपि की उत्पत्ति के भारतीय-मूल के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। (9)

Describe the theory of Indian origin of the Brahmi

#### अथवा / Or

3

भारत में लेखन-कला की प्राचीनता पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on antiquity of writing in India.

4. 🚪 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (5+5=10)

Write notes on any two of the following:

गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, डी. आर. भण्डारकर, डी. सी. सरकार, फ्लीट ।

### भाग 'ग' / Part 'C'

निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए: (5+5=10)

Translate any two of the following:

- (i) अस्ति पि तु एकचा समाजा बहुमता देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो पुरा महानसम्हि देवानंप्रियस प्रियदसिनो अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्रानि आरभिसु स्पाथाय स अज यदा अयं धंमलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सूपाथाय
- (ii) श्रीरस्य पौरुष-पराक्क्रम-दत्त-शुल्का हस्तयश्व - रत्न - धन - धान्य - समृद्धि - युक्ता

हस्तयश्व - रत्न - धन - धान्य - समृद्धि - युक्ता नित्यङ्गृहेषु मुदिता बहु - पुत्र - पौत्र -सङ्क्रामिणी कुल - वधू व्रतिनी निविष्टा।

- (iii) तत्कारिता च राजानुरूप कृत विधानया तस्मिन् भेदे दृष्टया प्रणाड्या विस्तृत - सेतु........आ गर्भात्प्रभृत्यविहत - समुदित -राजलक्ष्मी - धारणागुणतस्सर्व्व - वर्णैरभिगम्य रक्षणार्थं पतित्वे वृतेन आ प्राणोच्छ्वासात्पुरुषवध - निवृत्ति - कृत - सत्य - प्रतिज्ञयेन:..
- (iv) ब्रूते संप्रति चाहमान-तिलकः शाकंभरी-भूपितः
   श्रीमद्विग्रहराज एष विजयी संतानजानात्मनः ।
   अस्माभिः करदं व्यधायि हिमवद्विंध्यांतरालं भुवः
   शेष-स्वीकरणाय माऽस्तु भवतामुद्योग-शून्यं मनः ।।
- 6. चन्द्र के महरौली लौह स्तम्भ अभिलेख का महत्व बताइये। (5)

Discuss the importance of the Mehrauli Iron Pillar inscription of Chandra.

### अथवा / Or

एरण अभिलेख के आधार पर समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व का विश्लेषण कीजिए।

Describe the personality of Samudragupta on the basis of the Eran inscription.

 अशोक के सारनाथ लघु शिलालेख अथवा रुद्रदामन् के जूनागढ़ शिलालेख के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

Elaborate the subject matter of the Sarnath minor rock edict OR the Junagadh Rock Inscription of Rudradaman.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (4)

Write short notes on any one of the following:

तीर्त्वा सप्त मुखानि, समाज, सुदर्शन बांध, लीलामंदिरसोदरेषु ।

# भाग 'घ' / Part 'D'

9. काल-निर्धारण से सम्बन्धित विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख कीजिए। (9)
Discuss the different systems of Chronology.

# अथवा / Or

प्राचीन भारतीय अभिलेखों में किस प्रकार से काल-गणना की गई है ?

How is dating system adopted in the ancient Indian inscriptions?

10. निम्नलिखित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:



Write a short note on any one of the following:

गुप्त संवत्, शक संवत्।

Gupta era, Saka era.

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...

Sr. No. of Question Paper: 9245

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) CBCS

Semester : IV

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

# Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

- 2. Answer all questions.
- 3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

# छात्रों के लिए निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
- 2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए:-

Translate the following verses:-

(क) त्वं सांख्ययोगी त्वमु कर्ममार्गी, त्वं भिक्तयोगी पुरुषोत्तमस्त्वम् । किं केन कस्मै स्विहताय कार्यमित्यर्थनिर्णीतिमखे मखी त्वम् ।।

### अथवा / Or

या देहमात्रेण बभूव नारी चित्तेन शौर्यौकधनेन किन्तु। वीर्यातिभूमि प्रबलं नरत्वं तस्यां जजागर पुलोमजावत्।।

(ख) 'आत्माऽऽत्मनैवोद्धरणीय' एतद् गीता – वचोऽस्माभिरनुश्रियेत ।
निजोन्नते: साधनमेकमेव स्वेनैव चात्मोद्धरणं विधेयम् ।।

## अथवा / Or

सर्वे जनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छिक्तिरस्मास्विप भात्यपूर्वा । निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णेस्तु बहिष्कृताः स्मः ।।

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिएं:-

Explain the following verses:-

(क) त्वमष्टमूर्तेर्यजमानमूर्त्तिस्त्वं विश्वमूर्त्तिस्त्वमु विश्वनाथः । रे शान्तिगंगाधर! मानवात्मन्नघोर एष त्वमसि प्रकृत्या ।। (5)

(7)

### अथवा / Or

अस्सीति घट्टः स भृशं प्रशस्यो मठे गणेशस्य यदङ्कलग्ने । शरीरबन्धं निजमातृभूमिस्नेहातिशीतिः खलु साऽऽप लक्ष्मीः ।।

(ख) वयं निमग्नाश्चिर - दास्यपङ्के उद्धर्तुमस्मानितरो न शक्तः । अज्ञान - भस्मावरणं विध्ययं स्वत्वानलः प्रज्वलितो विधेयः ।।

### अथवा / Or

म्लेच्छास्तथाङ्ग्लादि - विजातयोऽपि स्वैरं पिबन्त्यम्बु तडागमेत्य ।। श्व - सूकराद्याः पशवोऽपि नित्यं खगाश्च सर्वे सलिलं पिबन्ति ।।

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' में वर्णित मानवीय-मूल्यों का विवेचन कीजिए। (8)
Discuss the Human values as described in
'Swātantryasambhavam'.

### अथवा / Or

'भीमायनम्' महाकाव्य में वर्णित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। Enlighten the Social Consciousness as depicted in 'Bhimāyanam' Epic. 'शतपर्विका' कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
 (5)

Write briefly the story of Shatparvika in your own words.

#### अथवा / Or

'शतपर्विका' कथा में अभिव्यक्त पुत्री-शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। Write the importance of 'Girls Education' as expressed in the story of Shatparvika.

5. शार्दूलशकटम् में वर्णित 'संघे शक्तिः' सूक्ति की समीक्षा कीजिए। (8)

Analyze the line 'Power in Association' as discussed in Śārdūlśakatam.

### अथवा / Or

शार्दूलशकटम् की नाटकीय कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।
Analyze the Dramatic plot of Śārdūlśakaṭam.

6. भट्टमथुरानाथ शास्त्री अथवा पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए। (10)

Analyze the contemporary consciousness as depicted in the poems of Bhatta Mathuranath Shastri or Pt. Bachchulal Awasthi.

- 7. 'कतमा कविता' अथवा 'संकल्पगीति:' काव्य की समीक्षा कीजिए। (6)
  Give a review of either 'Katmā kavitā' or 'Sankalpgītiḥ'.
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य की प्रमुख रचनाओं का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए।
   (10)

   Present a survey of important writings of Modern Sanskrit Literature.
- 7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार रचनाकारों पर टिप्पणी लिखिए: (4×4=16)

  Write short notes on any four of the followings:
  - (क) हरिदास सिद्धान्त वागीश Haridash Siddhant Vagisha
  - (ख) मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक Mulshankar Maniklal Yagyik
  - (ग) महालिंग शास्त्री Mahaling Shastri
  - (घ) लीलाराव दयाल Lilaroa Dayal

- (ङ) यतीन्द्र विमल चौधुरी Yatindra Vimal Chaudhuri
- (च) वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य

  Virendra Kumar Bhattacharya

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

S. No. of Question Paper : 9246

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature (C-10)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS

Semester : IV

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note:— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any five questions.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (क) वैदिक देवताओं व ग्रीस के देवताओं में क्या साम्य हैं ? 7½

  What are the similarities between Vedic and Greek

  Gods ?
  - (ख) निम्नलिखित संस्कृत शब्दों में से किन्हीं तीन के समतुल्य भारोपीय शब्द लिखिए : 7½

    Give equivalent of any three of the following words in various Indo-European Languages :

    अग्नि, बृध्, अक्षि, पिता, देव।
- 2. (क) यूरोप में पंचतन्त्र के प्रसार का विवरण दीजिए। 10 Describe how the Pañcatantra spread in Europe.
  - (ख) अकबरी पंचतंत्र पर लघु टिप्पणी लिखिए। 5
    Write a short note on Akbar's Pañcatantra.
- 3. दाराशिकोह कृत उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफ़ीमत व उपनिषद् दर्शन के समान तत्त्वों का विवेचन कीजिए। 15

  Discuss the similarities between Upanisadic philosophy and Sufism with reference to Dara Sikoh's translation of the Upanisads.

4. (क) दक्षिण पूर्व एशिया की संस्कृति पर महाभारत के प्रभाव पर लघु निबन्ध लिखिए। 7½

Write a short essay on the influence of the Mahabharata on folk cultures in South East Asia.

(ख) इण्डोनेशिया में राम कथा।

71/2

The story of Rama in Indonesia.

संस्कृत साहित्य ने उत्तरमध्यकाल में लघुचित्र कथा शैलियों को कैसे प्रभावित किया ? विशेषत: रामायण, महाभारत व गीतगोविन्द के सन्दर्भ में विवेचन कीजिए।

How did Sanskrit literature influence miniature painting styles in medieval India? Discuss with special reference to the Rāmāyaṇa, the Mahābhārata and the Gita-Govinda.

6. (क) उन्नीसर्वी व बीसर्वी शती में संस्कृत वाङ्मय के प्रित यूरोप की क्या दृष्टि रही है ?

How did Europe receive Sanskrit in the 19th and 20th Centuries ?

(ख) गीता के मुख्य यूरोपीय अनुवाद।

5

Translations of the Gita in major European languages.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए: 2×7½=15

Write notes on any two of the following:

(क) अमरीका में संस्कृत

Sanskrit in the USA

(ख) चीन में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in China

(ग) जर्मनी में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in Germany.